कक्षा 11 राजनीति विज्ञान

विधायिका

परिचय–

सरकार के तीन अंगों में विधायिका का महत्वपूर्ण स्थान है। वास्तविक प्रतिनिधित्व वाली विधायिका के बिना सच्चे लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। विधायिका जन – प्रतिनिधियों का जनता के प्रति उत्तरदायित्व सुनिश्चित करती है। यद्यपि विधायिका में कानूनों का निर्माण होता है परन्तु संसद वाद–विवाद का खुला मंच है । अपनी संरचनातमक विशेषता के कारण यह सरकार के अन्य सभी अंगों में सबसे ज्यादा प्रभावशाली है।

द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका–

भारत की राष्टीय विधायिका का नाम संसद है।भारत की संसद के दो सदन हैं इसलिए इसे द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका कहते हैं।

1– राज्य सभा– यह संसद का उच्च सदन है।

2– लोक सभा– यह निम्न सदन है।

भारत के अधिकांश राज्यों में एक सदनीय व्यवस्था है जिन्हें विधानसभा कहते हैं। जबकि 6 राज्यों में द्विसदनीय विधायिकाएं हैं। वहॉ पर उच्च सदन को विधान परिषद कहते हैं। इन राज्यों में उत्तरप्रदेश , बिहार, महाराष्ट्र, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक और आंध्रप्रदेश हैं।

भारत की ही तरह जर्मनी में भी केन्द्रीय विधायिका के दो सदन हैं। दोनों सदनों को बुंदेस्टैग (फैडरल एसेंबली) और बुंदेंसरैट (फेडरल कौंसिल) कहते हैं।

राज्य सभा–

भारत की संसद के उच्च सदन राज्य सभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व माना गया है। इसके सदस्यों का निर्वाचन अप्रत्यक्ष विधि से होता है। राज्यों की विधानसभाओं के सदस्यों द्वारा इनका चुनाव होता है।

भारत की तरह ही अमेरिका में भी दो सदन हैं उच्च सदन को सीनेट कहते हैं। जिसके सदस्यों को प्रत्येक राज्य से एक समान संख्या में चुना जाता है। परन्तु भारत में राज्यों की जनसंख्या के आधार पर सीटों की व्यवस्था की गई है। अधिक जनसंख्या वाले राज्यों को राज्य सभा में अधिक सीटें प्राप्त हैं व कम जनसंख्या वाले राज्यों को कम सीटें आवंटित की गई हैं।

kishor patni

राज्य सभा एक स्थाई सदन है जिसके सदस्यों को 6 वर्ष के लिए चुना जाता है। इसके सभी सदस्य एक साथ अपना कार्यकाल पूरा नहीं करते है। प्रत्येक 2 वर्ष में एक तिहाई सदस्यों का कार्यकाल पूरा होता है।

राज्य सभा में राष्टपति के द्वारा 12 सदस्यों को मनोनीत किया जाता है। ये ऐसे गणमान्य लोग होते हैं जिन्होंने साहित्य,विज्ञान,कला, समाज सेवा आदि के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल की हो।

लोक सभा–

भारत की संसद के निम्न सदन लोकसभा में सदस्यों का चुनाव जनता के द्वारा किया जाता है। इसमें पूरे देश को लगभग समान जनसंख्या के निर्वाचन क्षेत्रों में बॉटा गया है। वर्तमान में लोकसभा में 543 सदस्य है। सन 2026 तक इनकी कुल सदस्य संख्या 552 हो सकती है। यदि एंग्लो –इंडियन समुदाय के लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं हो रहा है तो राष्टपति, लोकसभा में भी इस समुदाय के 2 सदस्यों को मनोनीत कर सकता है

लोक सभा का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है। उससे पहले भी प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्टपति के द्वारा उसे भंग किया जा सकता है।

संसद के कार्य–

- 1– विधि निर्माण करना
- 2–कार्यपालिका पर नियंत्रण तथा उसका उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना
- 3–वित्तीय कार्य
- 4–विभिन्न समूहों का प्रतिनिधित्व करना
- 5–बहस का मंच
- 6– संवैधानिक कार्य
- 7–निर्वाचन संबंधी कार्य
- 8– न्यायिक कार्य

kishor patni

कानून निर्माण की प्रकिया–

- विधेयक अगर धन विधेयक नहीं है तो इसे किसी भी सदन में प्रस्तुत किया जा सकता है।
- सदन में विधेयक पर चर्चा होती है या उसे समिति के पास भेजा जाता है।
- कुछ समय बाद समिति अपनी रिर्पोट प्रस्तुत करती है।
- सदन उस रिर्पोट को स्वीकार या अस्वीकार करता है। सदन में विधेयक पर विस्तृत चर्चा होती है।
- विधेयक सदन में या तो पारित हो जाता है या रद्द हो जाता है।
- पारित होने की स्थिति में इस विधेयक को दूसरे सदन में भेजा जाता है। दूसरा सदन या तो इस विधेयक को मंजूरी देता है या इस पर सुझाव देता है।
- जरूरत पडने पर संसद की संयुक्त बैठक बुलायी जाती है।
- इसके बाद यह विधेयक राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजा जाता है। राष्ट्रपति या तो विधेयक को मंजूरी देता है या उसे पुर्नविचार के लिए लौटा देता है।
- राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद विधेयक कानून बन जाता है।

विधेयको के प्रकार–

सरकारी विधेयक

निजी सदस्यों के विधेयक

वित विधेयक

गैर वित विधेयक

सामान्य विधेयक

संविधान संशोधन सम्बन्धी विधेयक

संसद द्वारा कार्यपालिका पर नियंत्रण–

- ❖ 1– प्रश्न एवं पूरक प्रश्न पूछकर
- ❖ 2–मन्त्रिपरिषद की नीति की आलोचना व उसकी स्वीकृति के द्वारा
- ❖ 3–कटौती प्रस्ताव द्वारा
- ❖ 4–कार्य स्थगन प्रस्ताव द्वारा
- ❖ 5–निन्दा प्रस्ताव द्वारा
- ❖ 6–अविश्वास प्रस्ताव द्वारा
- ❖ 7–राष्टपति के भाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव द्वारा

kishor patni

संसद की समितियां–

प्राक्कलन समिति

लोक लेखा समिति

प्रवर समिति

कार्य परामर्शदात्री समिति

याचिका समिति

विशेषाधिकार समिति

नियम समिति

सरकार द्वारा प्रदत्त आश्वासन समिति
अधीनस्थ विधि समिति

परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न–
1– राज्य सभा का सभापति कौन होता है?

2– लोकसभा का कार्यकाल कितना होता है?

3–संसद के दो कार्य बताइये?

4–भारत के किन राज्यों में द्विसदनात्मक व्यवस्था है?

5– वित विधेयक किसे कहते हैं?

kishor patni